Vol 5 Issue 6 Dec 2015 ISSN No :2231-5063

International Multidisciplinary Research Journal

Golden Research Thoughts

Chief Editor
Dr.Tukaram Narayan Shinde

Publisher
Mrs.Laxmi Ashok Yakkaldevi

Associate Editor
Dr.Rajani Dalvi

Honorary
Mr.Ashok Yakkaldevi

Welcome to GRT

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2231-5063**

Golden Research Thoughts Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial board.Readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Kamani Perera
Regional Center For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus PopPhD, Partium Christian University, Oradea,Romania

Mohammad Hailat
Dept. of Mathematical Sciences, University of South Carolina Aiken

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences Al. I. Cuza University, Iasi

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Dept of Chemistry, Lahore University of Management Sciences[PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

.....More

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University,Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University,Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary,Play India Play,Meerut(U.P.)

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh,
Vikram University, Ujjain

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU,Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra
Maulana Azad National Urdu University

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.aygrt.isrj.org

ISSN: 2231-5063 Impact Factor : 3.4052(UIF) Volume - 5 | Issue - 6 | Dec - 2015

GRT Golden Research Thoughts

शालेय छात्रों के व्यक्तित्व आयाम एवं मानसिक स्वास्थ्य का ग्रामीण एवं शहरी परिवेश के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन

डी.बी. कोहळे[1], अजय करकरे[2]

[1](सहायक प्राध्यापक) माधवराव वानखेडे शारीरिक शिक्षण, महाविद्यालय, कामठी नागपूर.

[2]प्राचार्य, रानी लक्ष्मीबाई महिला महाविद्यालय, सांवरगांव, नागपुर.

सारांशः

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य शालेय छात्रों के ग्रामीण व शहरी परिवेश के आधार पर व्यक्तित्व आयाम एवं मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन करना था। प्रस्तुत अध्ययन हेतु ४०० शहरी छात्रों का चयन नागपूर शहर के विभिन्न शालाओं से उसी तरह ४०० ग्रामीण छात्रों का चयन नागपूर जिल्हे के विभिन्न ग्रामीण शालाओं से किया गया। छात्राओं का चयन यादृच्छिक पद्धती द्वारा किया गया। चयनित ग्रामीण व शहरी छात्रों की औसत आयु १४.४१ व १४.२४ वर्ष थी। व्यक्तित्व आयाम के परीक्षण हेतु ज्युनियर आयजेंक पर्सेनॅलिटी इन्व्हेंटरी (जे.ई.पी.आय) जों कि हेलोडे १९८५ द्वारा हिंदी में अनुवादित है, का प्रयोग किया गया। शहरी तथा ग्रामीण छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के परीक्षण हेतु आगाशे एवं हेलोडे १९८८ द्वारा निर्मित मानसिक स्वास्थ्य प्रश्नावली उपयोग में लायी गयी। सांख्यिकीय विश्लेषण के पश्चात् शहरी छात्रों ने ग्रामीण छात्रों की तुलना में बहिर्मुखी आयाम पर अपनी श्रेष्ठता दिखायी। मनःस्नायु विकृती आयाम पर ग्रामीण छात्र शहरी छात्रों की तुलना में अधिक मनःस्नायु विकृती लिये हुए दिखायी दिये। झूठ बोलने की प्रवृत्ति भी ग्रामीण छात्रों में अधिक दिखायी दी। शहरी छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य ग्रामीण छात्रों की तुलना में कम पाया गया।

प्रस्तावनाः

''स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन का वास होता हैं'' विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार स्वस्थ व्यक्ति वह है जो शारीरिक, मानसिक, सामाजिक तीनों दृष्टियों से ठिक ठाक है केवल बिमारियों से मुक्त होना या शरीर से हृष्ट पुष्ट होना ही काफी नहीं है, व्यक्ति को मानसिक दृष्टि से भी स्वस्थ होना चाहिए, और सामाजिक दृष्टि से उत्तरदायी नागरिक भी।

आज मनुष्य अपने शारीरिक स्वास्थ्य को कायम रखने के लिए प्रत्येक सम्भव यत्न करने का प्रयास करता है। शारीरिक दक्षता तथा स्वास्थ्य भले ही दो पृथक-पृथक शब्द है, फिर भी इनके बीच गहरा सम्बन्ध है। अतः प्रत्येक व्यक्ति अपने स्वास्थ्य तथा शारीरिक दक्षता दोनों को कायम रखने में व्यस्त है। शारीरिक दक्षता मनुष्य की उन शक्तियों के कार्य करने की सामर्थ्य है जिन में मनुष्य की पेशियों का सम्बन्ध होता है। मनुष्य इस योग्य होना चाहिए कि वह अपने काम काज को बहुत ही खूबी तथा सुगमता से बिना किसी कष्ट के और थोड़ी सी शक्ति का प्रयोग करके पूरा करने के योग्य हों। उस के शरीर के वे अंग अत्यधिक प्रभावशाली तरीके से अपना कार्य करने के योग्य हो जिन्होंने मानवीय सुयोग्यता को स्थिर रखना है जैसे श्वसन क्रिया तथा रक्त परिभ्रमण संस्थान। शारीरिक दक्षता के अन्तर्गत वे अनेक वस्तुएं आ जाती है जिन के सहारे मनुष्य दीर्घायू तक जीने के योग्य हो सकता है। आज विश्व के प्रत्येक कोने में शारीरिक दक्षता को बनाए रखने पर अत्यधिक बल दिया जा रहा है। परन्तु दक्षता तो एक ऐसी वस्तु है जो प्रत्येक मनुष्य के साथ अपने नए रूप में सामने आती है।

स्वास्थ्य की संकल्पना समय, स्थिति एवं समाज के अनुरूप परिवर्तित होती रहती है। प्राचीन भारत में केवल उसी व्यक्ति को स्वस्थ माना जाता था जिसका शरीर एवं मस्तिष्क दोनों ही पूर्णरूप से सक्षम होते थे किन्तु मध्य युग में स्वस्थता की परिकल्पना शारीरिक सक्षमता तक ही सीमित होकर रह गयी। इस परिवर्तन की पृष्ठ-भूमि का कारण उस काल के सामाजिक वातावरण से संबंधित था। बीसवीं शताब्दीं में पुनः मानसिक स्वस्थता को स्वास्थ्य का एक अभिन्न अंग माना जाने लगा और इसी परिवेश में विश्व

स्वास्थ्य संगठन ने भी स्वास्थ्य की परिभाषा में शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक पहलुओं को समान महत्व दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार ''स्वास्थ्य केवल रोग एवं अशक्ति की अनुपस्थिति ही नहीं अपितु, यह शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से पूर्णतया सुखद अनुभव करने की स्थिति है।''

प्रस्तुत समस्या के समाधान हेतु अनुसंधान कर्ता द्वारा यह परिकल्पना स्थापित की जाती है कि शहरी तथा ग्रामीण छात्रों के व्यक्तित्व आयाम एवं मानसिक स्वास्थ्य पर ग्रामीण तथा शहरी परिवेश का प्रभाव दिखायी देगा।

पद्धतीः

प्रस्तुत अध्ययन हेतु एक सुव्यवस्थित एवं वैज्ञानिक अनुसंधान पद्धती का उपयोग किया गया जिसकी विस्तृत जानकारी नीचे दर्शायी गयी है।

न्यादर्शः

प्रस्तुत समस्या के समाधान हेतु ४०० शहरी छात्र तथा ४०० ग्रामीण छात्रों का चयन किया गया। चयनित न्यादर्श की औसत आयु { (शहरी छात्र ४.२४वर्ष) (ग्रामीण छात्र १४.४१वर्ष)} थी। शहरी छात्रों का चयन नागपूर शहर के विभिन्न स्कूलों से किया गया, उसी प्रकार ग्रामीण छात्रों का चयन नागपूर जिले के ग्रामीण भागों में स्थित शालाओं से किया गया। सभी न्यादर्शो का चयन यादृच्छिक विधी द्वारा किया गया।

परीक्षण विधीः

न्यादर्श की शारीरिक दक्षता, मानसिक स्वास्थ्य तथा व्यक्तित्व के परीक्षण हेतु अनुसंधानकर्ता द्वारा निम्नलिखित परीक्षणों का उपयोग किया गया।

व्यक्तित्व परीक्षणः– शहरी तथा ग्रामीण छात्रों के व्यक्तित्व के परीक्षण हेतु आयजेंक द्वारा निर्मित जे.ई.पी.आय. (जूनियर आयजेंक इन्वेन्टरी) का चयन किया गया। मूलतः यह प्रश्नावली अंग्रेजी में है लेकिन न्यादर्शो की सुविधा हेतु हेलोडे (१९८५) द्वारा हिंदी भाषा में रूपांतरित की गयी प्रश्नावली को उपयोग में लाया गया। इस प्रश्नावली में कुल ५० प्रश्न है जिसमें से २० प्रश्न अन्तर्मुखी-बर्हिमुखी व्यक्तित्व, २० प्रश्न मनःस्नायु विकृति तथा १० प्रश्न एल स्कोर का मापन करते है। यह प्रश्नावली भी शालेय छात्रों के व्यक्तित्व का मापन करने के लिए उच्च स्तर पर वैध एवं विश्वसनीय हैं।

धनात्मक मानसिक स्वास्थ्य परीक्षणः– किशोरवयीन ग्रामीण तथा शहरी छात्रों के धनात्मक मानसिक स्वास्थ्य के मापन हेतु आगाशे तथा हेलोडे (१९८८) द्वारा निर्मित धनात्मक मानसिक स्वास्थ्य प्रश्नावली का प्रयोग किया गया। इस प्रश्नावली में कुल ३० प्रश्न है जो आत्मस्वीकृति, अहं का विकास तथा जीवन दर्शन के आयामों से मिल कर बने है। यह प्रश्नावली भी उच्च स्तर पर वैध एवं विश्वसनीय है।

सांख्यिकीय विश्लेषणः

शहरी एवं ग्रामीण परिवेश के आधार पर छात्रों की तुलना व्यक्तित्व आयाम एवं मानसिक स्वास्थ्य पर करने हेतु अनुसंधान कर्ता ने सांख्यिकीय विधी 'टी' परीक्षण का उपयोग किया। प्राप्त नतीजों को तालिका क्रमांक १ में दर्शाया गया है।

तालिका क.1–शहरी छात्र तथा ग्रामीण छात्रों के मध्य व्यक्तित्व आयाम एवं मानसिक स्वास्थ्य की तुलना

	शहरी छात्र (N=400)		ग्रामीण छात्र (N=400)		Md	t	सार्थकता का स्तर
	Mean	SD	Mean	SD			
बहिर्मुखी–अन्तर्मुखी	12.85	2.92	11.92	2.71	.92	4.62	.01
मनःस्नायु विकृति	8.15	3.07	9.98	3.12	1.82	8.30	.01
एल–आयाम	5.96	2.17	6.70	2.14	.73	4.83	.01
मानसिक स्वास्थ्य	18.20	3.41	19.30	3.73	1.10	4.34	.01

't' value at .05 = 1.96 and .01= 2.57

तालिका क्रमांक १ में शहरी छात्र तथा ग्रामीण छात्रों के मध्य व्यक्तित्व आयामों एवं मानसिक स्वास्थ्य की तुलना को प्रदर्शित किया गया है। परिणामों से यह ज्ञात होता है कि जब शहरी एवं ग्रामीण छात्रों के समूह की तुलना बहिर्मुखी-अंतर्मुखी आयाम पर की

गई तो प्राप्त परिणाम यह दर्शाते है कि शहरी छात्रों ने m= १२.८५ ग्रामीण छात्रों की अपेक्षा m= ११.६२ बहिर्मुखी–अंतर्मुखी आयाम पर अपनी श्रेष्ठता .०१ के सार्थकता स्तर पर दर्शायी है। {t= ४.६२}

मनःस्नायु विकृति आयाम पर शहरी छात्र m= ८.१५ ग्रामीण छात्रों m= ६.६८ की अपेक्षा कम मनःस्नायु विकृति प्रदर्शित करते हुए दिखायी दिये। {t= ८.३०} यह दर्शाता है कि दोनों समूहों के मध्य .०१ के स्तर पर सार्थक भिन्नता मौजूद है।

जब दोनों समूहों की तुलना एल–स्कोर आयाम पर की गई तो यह परिणाम प्राप्त हुआ कि शहरी छात्रों में m= ५.६६ ग्रामीण छात्रों m= ६.७० की अपेक्षा झूठ बोलने की प्रवृत्ति कम पायी गयी। {t= ४.८३} यह दर्शाता है कि दोनों समूहों के मध्य .०१ के सार्थकता स्तर पर भिन्नता है।

मानसिक स्वास्थ्य के आयाम पर ग्रामीण छात्रों ने m= १६.३० शहरी छात्रों की तुलना में m= १८.२० अधिक मानसिक स्वास्थ्य दर्शाया हैं। 't' = ४.३४ यह प्रदर्शित करता है कि दोनों समूहों के मध्य मानसिक स्वास्थ्य आयाम पर .०१ के सार्थकता स्तर पर भिन्नता है।

निष्कर्ष :

१.शहरी छात्रों ने ग्रामीण छात्रों की तुलना में अधिक बहिर्मुखता प्रदर्शित की।
२.ग्रामीण छात्रों में शहरी छात्रों की तुलना में अधिक मनःस्नायु विकृती दिखायी दी।
३.शहरी छात्र ग्रामीण छात्रों की तुलना में कम झूठ बोलने की प्रवृत्ति लिये हुए दिखायी दिये।
४.ग्रामीण छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य शहरी छात्रों की तुलना में बेहतर पाया गया।

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1.Helode, R.D. : J.E.P.I. Hindi inventory, Memory variance and personality, CBS publication, New Delhi.
2.Hunt D.H.: A cross racial comparison on personality traits between athlete and non-athlete. Research Quarterly, Vol.40, p. 705.1969.
3.Kroll Walter: Sixteen personality factor profiles of collegiate wrestlers., Res, Quart. Vol, 38, No.1 p.49, 1966.
4.McLeod J.D. et al: "Poverty, parenting and children's mental health." American sociological review, 58, 3, p. 315-351, 1993.
5.Malumphy T.M.: Personality of women athletes in Inter collegiate competition, Research Quarterly, 39, Mar. 1968.
6.Phelan M, et al: 'Physical health of people with severe mental illness." British medical journal, 322, 7284, pp. 443-44, Feb. 2001.
7.Renman ,C. et al: "Mental health and psychological characteristics in adolescent obesity: a population based case-control study," Acta paediatrica, 88,9, pp.7-14, 1999.

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Book Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- EBSCO
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database
- Directory Of Research Journal Indexing

Golden Research Thoughts
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.aygrt.isrj.org